Ancient Indian Wisdom
(प्राच्य भारतीय विद्या)

(Six monthly Certificate Course
Applicable:
For The Academic Session 2019-20 on wards

विषय सूची

विषय	पृष्ठ
उद्देश्य	1
1. नियमावली	1
1.1 प्रकृति	1
1.2 पाठ्यक्रम की अवधि	1
1.3 शिक्षण तथा परीक्षा का माध्यम	1
1.4 परीक्षा की तिथि एवं समय	1
1.5 अंकों की सीमा	1
1.6 आन्तरिक मूल्यांकन के अंकों का विभाजन	2
1.7 उत्तीर्ण होने की अवस्था तथा श्रेणी निर्धारण	2
1.8 प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	2
1.9 परीक्षा में अनुपस्थित रहने या अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में निर्णय	2
1.10 प्रवेश स्थान	3
1.11 प्रवेश तथा परीक्षा शुल्क	3
2. पाठ्यक्रम की अवधारणा, विस्तृत विषय विवरण तथा प्रश्न पूछने की पद्धति	3
3. युनिटगत पाठ्यक्रम के विषय	7
4. प्रश्नपत्र निर्माता के लिए पाठ्यक्रम	8

प्राच्य भारतीय विद्या केन्द्र

(Centre For Ancient Indian Wisdom)

उद्देश्य

युवा पीढ़ी को प्राचीन भारतीय संस्कृति, परम्परा, धर्मदर्शन, योग, प्रभृति विविध ज्ञान निधियों से परिचित कराने एवं 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने हेतु, इनके अनुप्रयोग करने की दिशा में उन्हें तैयार करने हेतु, परम पावन दलाई जी की प्रेरणा, आशीर्वाद एवं सहयोग से धर्मशाला स्थित राजकीय महाविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले, **'प्राच्य भारतीय विद्या केन्द्र' (** Centre For Ancient Indian Wisdom) में, **'प्राच्य भारतीय विद्या' (Ancient Indian Wisdom)** में, आरम्भ में 'प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course) शुरू किया जाएगा। लेकिन बाद में क्रमशः डिप्लोमा/ उच्चतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम'(Diploma/ Advanced Diploma Course) भी संचालित किये जाएंगे।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course) हेतु नियमावली तथा पाठ्यक्रम निम्नवत होगा–

1. नियमावली

1.1 यह पाठ्यक्रम, यथास्थिति, सम्बन्धित संकाय द्वारा समय–समय पर निर्धारित होगा और इसमें परिचयात्मक प्रकृति का, एक पत्र होगा।

1.2 पाठ्यक्रम की अवधि

इस पाठ्यक्रम की अवधि एक शैक्षणिक वर्ष में, छः मास (जून–नवम्बर) होगी। यह अंशकालिक होगा और महाविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी पूर्णकालिक पाठ्यक्रम यथा बी.ए., एम.ए., बी.एस.सी., बी. कॉम, एम.एस.सी., एम. कॉम आदि पाठ्यक्रमों के साथ लिया जा सकेगा।

1.3 शिक्षण तथा परीक्षा का माध्यम

शिक्षण तथा परीक्षा का माध्यम हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

1.4 परीक्षा की तिथि एवं समय

इस पाठ्यक्रम की परीक्षा नवम्बर महीने में या हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक द्वारा निधारित तिथि के अनुसार होगी। परीक्षा का समय तीन घण्टे होगा।

1.5 अंकों की सीमा

इस पाठ्यक्रम के लिए निधारित पत्र सौ अंकों का होगा, जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा (Written Examination) के और 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

1.6 आन्तरिक मूल्यांकन के अंकों का विभाजन

आन्तरिक मूल्यांकन के अंक निम्न चार विभागों में विभाजित होंगः

a. Mid Term Test = 15 Marks.
b. Class Test/ Tutorials/ Assignments = 5 Marks.
c. Quiz/Seminars = 5 Marks.
d. Attendence = 5 Marks.

Mid Term Test हेतु प्रश्नपत्र बनाने तथा उत्तर पुस्तिका जाँचने का काय पाठ्यक्रम से सम्बद्ध केन्द्र के अध्यापकों से ही कराया जाएगा।

1.7 उत्तीर्ण होने की अवस्था तथा श्रेणी निधारण

उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को लिखित परीक्षा में न्यूनतम 28 अंक और आन्तरिक मूल्यांकन में न्यूनतम 12 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उत्तीर्ण विद्यार्थियों की निम्न तीन श्रेणियाँ होंगी :

(क) प्रथम श्रेणी

कुल अंकों का 60% या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी, प्रथम श्रेणी के अन्तर्गत होंगे। यदि प्राप्तांक 75% या इससे अधिक हो तो, परीक्षार्थी को विशेष याग्यता के साथ उत्तीर्ण दिखलाया जाएगा।

(ख) द्वितीय श्रेणी

कुल अंकों का 50% किन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी, द्वितीय श्रेणी के अन्तर्गत होंगे।

(ग) तृतीय श्रेणी

कुल अंकों का 40% किन्तु 50% से कम अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी के अन्तर्गत होंगे।

1.8 प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता के रूप में 10+2 या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड़ या विश्वविद्यालय की समकक्ष परीक्षा होगी, जो विद्यार्थी बौद्ध धर्म/ भोटी/ पालि/ संस्कृत भाषा से परिचित होंगे, उन्हें प्रवेश में वरीयता दी जाएगी।

1.9 परीक्षा में अनुपस्थित रहने या अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में

यदि कोई विद्यार्थी पूरे शैक्षणिक वर्ष में उपस्थित रहने के बाद किसी अपरिहार्य कारणवश परीक्षा न दे पाए या परीक्षा देकर उत्तीर्ण न हो पाए तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य की विशेष संस्तुति पर वह तीन शैक्षणिक वर्षों तक परीक्षा में केन्द्र के पूर्व छात्र के

रूप में प्राईवेट परीक्षा दे सकेगा। यदि इसके बाद भी विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है तो उसे आगे के लिए उक्त सुविधा नहीं दी जाएगी।

1.10 प्रवेश स्थान

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए पारम्भ में कुल 30 सीटें होंगी और मेरिट के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा।

1.11 प्रवेश तथा परीक्षा शुल्क

इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश तथा परीक्षा शुल्क वही होंगे, जो हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में भोटी प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course in Bhoti Language) के लिए समय-समय पर निधारित होंगे।

2. पाठ्यक्रम की अवधारणा, विस्तृत विषय विवरण तथा प्रश्न पूछने की पद्धतिः

CERTIFICATE COURSE
Ancient Indian Wisdom
Course Code (AIW 101CC)

The Course is designed in order to associate the young Indian minds to their ancient knowledge systems, wisdom, culture and patterns of growth of personality in order to understand the environment around them. This will help them in channelizing their mind in positive, valued and ethically rational activities, so that they may properly comprehend their significance of being and becoming human and may face the modern challenges of twenty-first century.

This course will help them to understand the significance of ancient Indian wisdom and knowledge so that they may properly contextualize the past, present and future and also understand the present day challenges and to train their mind positively and constructively.

The total number of seats in the Course will be 30. The admission will be made strictly on the basis of merit of the qualifying class.

Course Code	**AIW 101CC**			
Credit -6	L	T	P	
	40	**15**	0	
Course type	Core			
Lectures to be delivered	65			

Continuous Comprehensive Assessment (CCA) Pattern: Maximum Marks Allotted: **30**

MidTerm Test (Marks)	Class Test/Tutorials /Assignments (Marks)	Quiz/Seminars(Marks)	Attendance (Marks)	Total Marks
15	5	5	5	**30**
Total = **15**	**5**	**5**	**5**	

*The pattern of examination for conducting the Mid Term Test will be the same as prescribed for Annual Examination.
Annual Examination System: Maximum Marks:**70**

Maximum Marks Allotted	Minimum Pass Marks	Time Allotted
70	**28**	3: Hours

Paper setting scheme (Theory Paper)

Section	No. of Questions	Syllabus Coverage	Name of Questions and Answers	Questions to be Attempted	Maximum Marks
A	10	Complete	Objective Type	10 (1mark each) 10x1= 10	10
B	4	Complete	Short Answer Type (25-50 words)	4 (3 marks each) 4x3=12	12
C	2	Unit-I	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-II	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-III	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-IV	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
				Total	**70**

Unit	Topic	Allotted Time (Hours)	T	P
I.	(i) Spirituality and Religions. (ii) Sarva-dharma-sambhav. (iii) Religions, Happiness and Good life.	8	3	0
II.	(i) A brief introduction to Ancient Indian Philosophy. (ii) Vedant Philosophy and Essence of the *Bhagvad Gita*. (iii) Buddhist Philosophy: Panchsheel, Four Noble Truths,Three *yanas*.	8	4	0
III.	(i) An introduction to Yoga: a brief study of Bahiranga-Yoga and Antranga-Yoga of Patanjali. (ii) Nalanda Monastery and its traditions. (iii) Sheel, Samadhi and Prajna. (iv) An introduction to Jain Philosophy: A brief study of Sapta-bhangi-naya.	12	4	0
IV.	(i) Ancient Indian Sciences: (Ayurved, Vastusastra and Vedic Mathematics). (ii) Contribution of Indian knowledge to humanity.	12	4	0
	Total Hours	**40**	**15**	0

L= Lectures, T= Tutorials and P= Practical and practices.

SUGGESTED READINGS

1. Agrawal, Madan Mohan (ed.) 2001. *Six Systems of Indian Philosophy: The sutras of Six Systems of Indian Philosophy* with English translation, Translation, Transliteration, and Indices. Chaukhamba Sanskrit Pratishthan, Varanasi.
2. Aurobindo, Sri (ed.) 1997. *The Renaissance in India and other Essay*, Pondichery, Sri Aurobindo Ashram.
3. Bapat, P.V. (ed.), 1956. *2500 years of Buddhism*, Publication Division, Govt. of India, New Delhi.
4. Basham, A.L. (ed.) 1975. *A Cultural History of India*, New Delhi, Oxford University Press.
5. Bose, D.M., S. N. Sen and B.V. Subbarayappa (eds.) 1971. *Concise History of Science in India.* Indian National Science Academy, New Delhi.
6. Dalai Lama (ed.) 2017. *An Appeal to the World*, William Collins, Great Britain.
7. The Dalai Lama 2012. *Beyond Religion: Ethics for Whole World,* New Delhi, Harper Collins Publishers.
8. Iyengar, B. K. S. (ed.) 1993. *Lights on The Yoga Sutras of Patanjali,* Harper Element, London
9. Jan Westerhoff 2018. *The Golden Age of Indian Buddhist Philosophy, in the first Millennium CE* (The Oxford History of Philosophy), Oxford University Press.
10. Kapoor, Kapil, Avadesh Kr. Singh (eds.) 2005. *Indian Knowledge Systems* (Two Vols), IIAS, Shimla.
11. Mookerji, Radha Kumud (1960), *Ancient Indian Education: Bramanical and Buddhist.* Delhi, Motilal Banarsidass.
12. Moore, Charles A. (ed.) 1967. *The Indian Mind: Essentials of Indian Philosophy and Culture,* University of Hawaii Press, Honolulu.
13. Radhakrishan, S (1923). *Indian Philosophy* (Two Vols) Oxford University, Press.
14. Jagadguru Sankracharya Shri. Bharati Krishna Tirtha ji, 2018. *Vedic Mathematics,* Motilal Banarsidass, Delhi.
15. Stevenson, S. 1970. *The Heart of Jainism*, Munshiram Manoharlal, New Delhi.
16. Lama Chimpa and Alka Chattopadhyaya, 1970. *Taranath's History of Buddhism in India,* Indian Institute of Advanced Study, Simla.
17. Hann, Thich Nhat. 2015. *Old Path White Clouds,* Full Circle Publishing, New Dehli.
18. Bhattacharya, Tarapada, 1963. *The Canons of Indian Art or a Study of Vastuvidya*, 2nd edn, Calcutta.
19. Datta, B, 1932. *The Science of the Sulba***.** Calcutta.

Suggested Readings in Hindi-

1. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय, 1990. *बौद्धधर्म के विकास का इतिहास,* उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ।
2. आचार्य नरेन्द्र देव, 1971. *बौद्ध-धर्म-दर्शन,* बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, (पटना)।
3. राहुल सांकृत्यायन, *बौद्ध दर्शन,* किताब महल, इलाहाबाद, (उ.प्र.)।
4. रामशंकर त्रिपाठी, *बौद्ध दर्शन प्रस्थान,* 1997. केन्द्रीय उच्च तिब्बतो शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।
5. नन्द किशोर देवराज, 1998. *भारतीय दर्शन,* उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
6. रिगज़िन लुण्डुप लामा (अनुवादक), 1971. लामा तारानाथ, भारत में बौद्धधर्म का इतिहास, काशी प्रसाद जायसवाल, शोध संस्थान पटना, बिहार।
7. हन्ह, तिक न्यात, 2016. जहं जहं चरन परे गातम के, फुल सर्कल हिन्द पॉकेट, जोरबाग, नई दिल्ली।

3. युनिटगत पाठ्यक्रम के विषय-

CERTIFICATE COURSE IN
Ancient Indian Wisdom
Course Code (AIW 101CC)

Topic

UNIT-I

(i) Spirituality and Religions.
(ii) Sarva-dharma-sambhav.
(iii) Religions, Happiness and Good life.

UNIT-II

(i) A brief introduction to Ancient Indian Philosophy.
(ii) Vedant Philosophy and Essence of the *Bhagvad Gita*.
(iii) Buddhist Philosophy: Panchsheel, Four Noble Truths, Three *yanas*.

UNIT-III

(i) Introduction to Yoga: A brief study of Bahiranga-Yoga and Antranga-Yoga of Patanjali.
(ii) Nalanda Monastery and its Traditions.
(iii) Sheel, Samadhi, Prajna.
(iv) Introduction to Jain Philosophy: A brief study of Sapta-bhangi-naya.

UNIT-IV

(i) Ancient Indian Sciences: Ayurveda, Vastusastra and Vedic Mathematics).
(ii) Contribution of Indian knowledge to humanity.

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए पाठ्यक्रम

Paper : Ancient Indian Wisdom

Time: 3 hours **Total Marks 70+(Int.Ass.)30=100.**

Paper setting scheme (Theory Paper)

Section	No. of Questions	Syllabus Coverage	Name of Questions and Answers	Questions to be Attempted	Maximum Marks
A	10	Complete	Objective Type	10 (1mark each) 10x1= 10	10
B	4	Complete	Short Answer Type (25-50 words)	4 (3 marks each) 4x3=12	12
C	2	Unit-I	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-II	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-III	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
	2	Unit-IV	Choice based long answer type	1(12 marks each) 1x12=12	12
				Total	**70**

Unit	Topic	Allotted Time (Hours)	T	P
I.	(i) Spirituality and Religions. (ii) Sarva-dharma-sambhav. (iii) Religions, Happiness and Good life.	8	3	0
II.	(i) A brief introduction to Ancient Indian Philosophy. (ii) Vedant Philosophsy and Essence of the *Bhagvad Gita*. (iii) Buddhist Philosophy: Panchsheel, Four Noble Truths,Three *yanas*.	8	4	0
III.	(i) An introduction to Yoga: a brief study of Bahiranga-Yoga and Antranga-Yoga of Patanjali. (ii) Nalanda Monastery and its traditions. (iii) Sheel, Samadhi and Prajna. (iv) An introduction to Jain Philosophy: A brief study of Sapta-bhangi-naya.	12	4	0
IV.	(i) Ancient Indian Sciences: (Ayurved, Vastusastra and Vedic Mathematics). (ii) Contribution of Indian knowledge to humanity.	12	4	0
	Total Hours	**40**	**15**	0

L= Lectures, T= Tutorials and P= Practical and practices.

SUGGESTED READINGS

1. Agrawal, Madan Mohan (ed.) 2001. *Six Systems of Indian Philosophy: The sutras of Six Systems of Indian Philosophy* with English translation, Translation, Transliteration, and Indices. Chaukhamba Sanskrit Pratishthan, Varanasi.
2. Aurobindo, Sri (ed.) 1997. *The Renaissance in India and other Essay*, Pondichery, Sri Aurobindo Ashram.
3. Bapat, P.V. (ed.), 1956. *2500 years of Buddhism*, Publication Division, Govt. of India, New Delhi.
4. Basham, A.L. (ed.) 1975. *A Cultural History of India*, New Delhi, Oxford University Press.
5. Bose, D.M., S. N. Sen and B.V. Subbarayappa (eds.) 1971. *Concise History of Science in India*. Indian National Science Academy, New Delhi.
6. Dalai Lama (ed.) 2017. *An Appeal to the World*, William Collins, Great Britain.
7. The Dalai Lama 2012. *Beyond Religion: Ethics for Whole World,* New Delhi, Harper Collins Publishers.
8. Iyengar, B. K. S. (ed.) 1993. *Lights on The Yoga Sutras of Patanjali,* Harper Element, London
9. Jan Westerhoff 2018. *The Golden Age of Indian Buddhist Philosophy, in the first Millennium CE* (The Oxford History of Philosophy), Oxford University Press.
10. Kapoor, Kapil, Avadesh Kr. Singh (eds.) 2005. *Indian Knowledge Systems* (Two Vols), IIAS, Shimla.
11. Mookerji, Radha Kumud (1960), *Ancient Indian Education: Bramanical and Buddhist.* Delhi, Motilal Banarsidass.
12. Moore, Charles A. (ed.) 1967. *The Indian Mind: Essentials of Indian Philosophy and Culture,* University of Hawaii Press, Honolulu.
13. Radhakrishan, S (1923). *Indian Philosophy* (Two Vols) Oxford University, Press.
14. Jagadguru Sankracharya Shri. Bharati Krishna Tirtha ji, 2018. *Vedic Mathematics,* Motilal Banarsidass, Delhi.
15. Stevenson, S. 1970. *The Heart of Jainism*, Munshiram Manoharlal, New Delhi.
16. Lama Chimpa and Alka Chattopadhyaya, 1970. *Taranath's History of Buddhism Buddhism in India* Indian Institute of Advanced Study, Simla.
17. Hann, Thich Nhat. 2015. *Old Path White Clouds,* Full Circle Publishing, New Dehli.
18. Bhattacharya, Tarapada, 1963. *The Canons of Indian Art or a Study of Vastuvidya*, 2nd edn, Calcutta.
19. Datta, B, 1932. *The Science of the Sulba***.** Calcutta.

SUGGESTED READINGS IN HINDI-

1. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय, 1990. *बौद्धधर्म के विकास का इतिहास,* उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ।
2. आचार्य नरेन्द्र देव, 1971. *बौद्ध-धर्म-दर्शन,* बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, (पटना)।
3. राहुल सांकृत्यायन, *बौद्ध दर्शन,* किताब महल, इलाहाबाद, (उ.प्र.)।
4. रामशंकर त्रिपाठी, *बौद्ध दर्शन प्रस्थान,* 1997. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।
5. नन्द किशोर देवराज, *भारतीय दर्शन,* उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
6. रिगज़िन लुण्डुप लामा (अनुवादक), 1971. लामा तारानाथ, भारत में बौद्धधर्म का इतिहास, काशी प्रसाद जायसवाल, शोध संस्थान पटना, बिहार।
7. हन्ह, तिक न्यात, 2016. जहं जहं चरन परे गौतम के, फुल सर्कल हिन्द पॉकेट, जोरबाग, नई दिल्ली।

Note- Paper setter is advised to set question paper within the prescribed syllabus and according to the pattern mentioned in each unit.